शोम्पेन जनजाति ने पहली बार किया अपने मताधिकार का प्रयोग

स्रोत : द हिंदू

ग्रेट निकोबार द्वीप में रहने वाले विशिष्ट रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (Particularly Vulnerable Tribal Groups - PVTGs) में से एक **शोम्पेन जनजाति** के **7 सदस्यों** ने पहली बार **अंडमान और निकोबार लोकसभा क्षेत्र** में अपना पहला वोट डाला।

- वे अत्यधिक अलग-थलग, **अर्द्ध-घुमंतू शिकारी-संग्रहकर्त्ता** हैं। 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार **शोम्पेन जनजाति की अनुमानित जनसंख्या 229** थी।
- वे अपनी विशिष्ट अनूठी भाषा के लिये जाने जाते हैं, जिसमें **विभिन्न बोलियाँ** शामिल हैं जिन्हें केवल विशिष्ट क्षेत्र के भीतर ही समझा जाता है।
- जनजाति की **सामाजिक संरचना पितृसत्तात्मक** है, जिसमें सबसे बड़ा पुरुष सदस्य पारिवारिक मामलों की देखरेख करता है। इनमें **एकल विवाह आम** है तथा बहुविवाह भी स्वीकार्य है।
- अंडमान द्वीपसमूह में पाँच PVTGs निवास कर रहे हैं, वे हैं **ग्रेट अंडमानीज़, ज़ारवा, ओंगेस, शोम्पेन और नॉर्थ सेंटिनलीज़।**
- PVTGs को मूल रूप से **1973 में ढेबर आयोग द्वारा आदिम जनजातीय समूह (PTG)** के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, **बाद में 2006 में भारत सरकार द्वारा इसका नाम बदलकर पीवीटीजी कर दिया गया।**

और पढ़ें: विशिष्ट रूप से कमजोर जनजातीय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/shompen-cast-their-first-vote